27/5/2020

Subject - Home Science Teaching

B.Ed. Ist year

Topic - Affective objective

भावात्मक उद्देश्य

1. ग्रहण (Receiving) ⇒ परिस्थितियों तथा घटनाओं के प्रति संवेदनशील होना।

इसमें प्रमुखत: तीन क्षमताओं पर बल दिया जाता है -

(1) परिस्थितियों या घटनाओं के प्रति सजगता (Awareness)

(2) ग्रहण करने की इच्छाशक्ति होना (willingness to receive)

(3) नियन्त्रित अथवा सुनिश्चित ध्यान आकर्षित करना (Controlled or selected attention)

2. अनुक्रिया करना (Responding) ⇒ Response देने के लिए प्रतिबद्ध होना

इसके अन्तर्गत भी निम्न तीन क्षमताओं का विकास निहित होता है -

(i) अनुक्रिया मे सहमति होना (Acquiescense in Responding)

(ii) अनुक्रिया के लिए इच्छा होना (willingness to Responding)

(iii) अनुक्रिया करने मे सन्तुष्टि होना (Satisfaction in Response)

3. अनुमूल्यन (Valueing) ⇒ विभिन्न प्रत्ययों का मूल्य समझना।

(i) किसी मूल्य को स्वीकार करना (Acceptance of value)

(ii) किसी मूल्य का अपेक्षाकृत अधिक आदर करना (Preference for a value)

(iii) किसी मूल्य के प्रति प्रतिबद्धता (Commitment to a value)

Scanned with CamScanner

4. प्रत्ययीकरण ⇒ (Conceptualization ⇒) विभिन्न मूल्यों का प्रतिपादन करना। मूल्यों में विविधता के फलस्वरूप प्राप्त किये गये मूल्यों के सम्बन्ध में प्रत्यय - निर्माण करना।

5. व्यवस्थापन या संगठन (organisation) ⇒ मूल्यों की प्रणाली का व्यवस्थित स्वरूप प्रदान करना। प्रत्ययीकरण करके
(i) एकसमान मूल्यों को एक प्रणाली में संगठित करना।
(ii) मूल्यों में अन्तः सम्बन्ध का निर्धारण करना।

6. चरित्र निर्माण या चारित्रीकरण (characterization) ⇒ मूल्यों की प्रणाली को स्वीकार करके व्यवस्थित कर चरित्र तथा अनुसरण करना। (i) मूल्यों का सामान्यीकरण करना,
(ii) चरित्रीकरण करना,

भावात्मक उद्देश्यों का चढ़ावक्रम

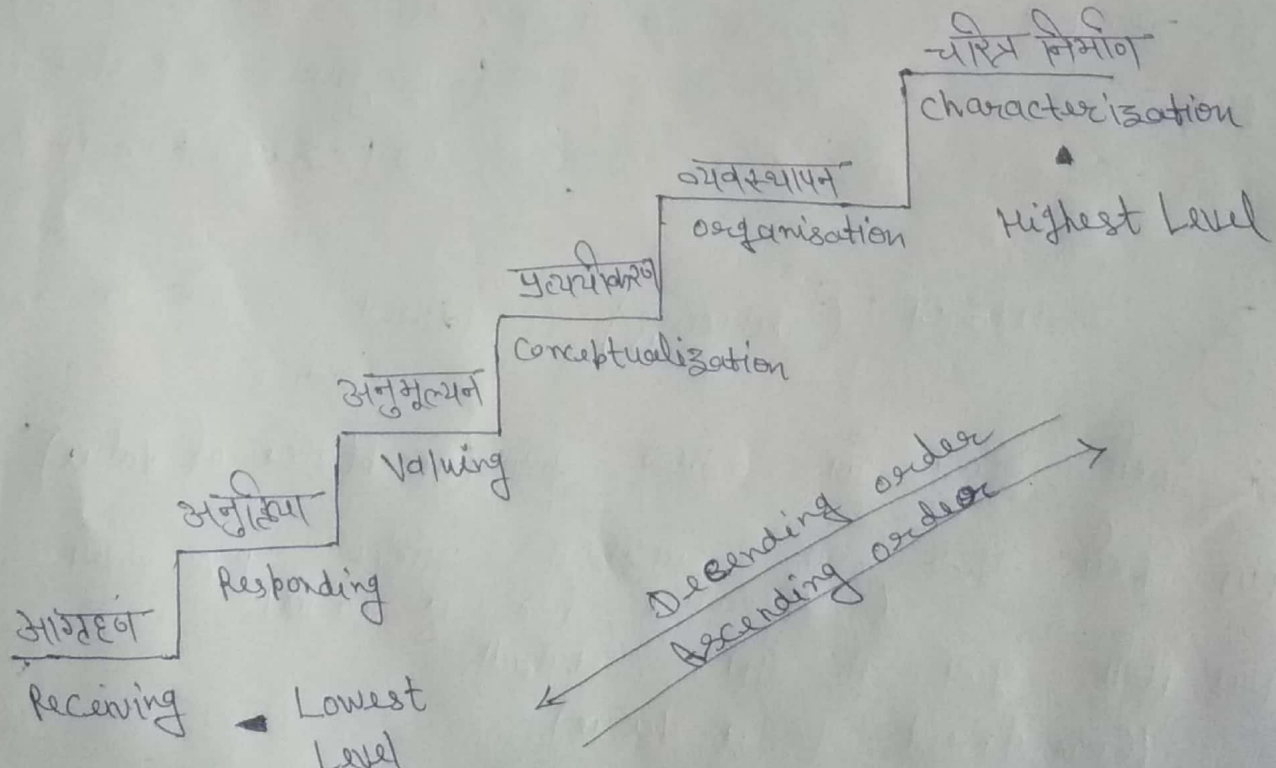

(Hierarchy of Affective Domain) Complete

Scanned with CamScanner